'भाषाई विविधता हमारी राष्ट्रीय पहचान भी है'

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 8 मार्च।

साहित्य अकादेमी के साहित्योत्सव 2025 के दूसरे दिन शनिवार को साहित्य अकादेमी पुरस्कार 2024 के विजेताओं को सम्मानित किया गया।

समारोह के मुख्य अतिथि रंगकर्मी महेश दत्तानी ने कहा कि लेखक शब्दों के कारीगर होते हैं और हमारे देश की भाषाई विविधता को बचाए रखने में उनकी अहम भूमिका है। यह विविधता ही हमारी राष्ट्रीय पहचान भी है। इसे बनाए और बचाए रखना भी जरूरी है।

अपने अध्यक्षीय वक्तव्य में अकादेमी के अध्यक्ष माधव कौशिक ने कहा कि हमें अकादेमी के 70 वर्ष के इतिहास पर गर्व करना चाहिए कि आज हम दुनिया के सबसे बड़े प्रकाशन समूह में से एक हैं। किसी भी देश की पहचान भाषाई विविधता को यहां संपूर्ण एकता के रूप में देखा जा सकता है।

साहित्यकार को हमारे यहां प्रजापति कहने की परंपरा है क्योंकि वह समांतर संसार की रचना करता है। अकादेमी की उपाध्यक्ष कुमुद शर्मा ने कहा कि रचनाकार एक साधक होता है और अपनी रचना प्रक्रिया में सब कुछ भूल कर कुछ समाज की भलाई के लिए कई रंग बिखेरता है लेकिन उसमें सर्वश्रेष्ठ रंग मनुष्यता का ही होता है। अकादेमी के सचिव के श्रीनिवासराव ने कहा कि हर पुरस्कार लेखक को ताकत देता है और एक बड़े पाठक समाज से जोड़ता है। समारोह में 22 साहित्यकारों को पुरस्कृत किया गया।

जनसत्ता Sun, 09 March 2025
https://epaper.jansatta.com/c/76945687